

19-7-15

पत्रावली आज अर्थात् लोक कालान्तर से  
 केन्द्र अथवा स्वायत्त चर पत्र दृष्टी कारी के  
 वकील उपा। कारी वकील के वाद पर पर गेट  
 प्रेस अंकित किया। कारी के वकील वाद पर  
 की चलाना रही - यादवे से इस वाद कारी  
 गेट उपा के अकारिज किया जाता है पत्रावली  
 के लक्षण से एक तरह से रूप है अथ  
 अथवा पाठिका है  
 (७)